

प्रेषक,

अमिताभ श्रीवास्तव,
अपर सचिव,
उत्तरार्चल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
युवा कल्याण विभाग,
देहरादून।

युवा कल्याण अनुभाग :

देहरादून : दिनांक /3 जनवरी, 2006

विषय :- युवा कल्याण विभाग को अनुदान संख्या-11 के विभागीय लेखाशीर्षक के अन्तर्गत बचत हो रही धनराशि के पुनर्विनियोग के सम्बंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषय शासनादेश संख्या-47 /VI-I/ 2005 दिनांक- 29-4-2005 एवं शासनादेश संख्या-62 / VI-I/ 2005 दिनांक- 17-5-2005 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय सलमन बी०एम०-१५ के विवरणानुसार कुल रूपये 3.00 लाख (रूपये तीन लाख मात्र) युवा कल्याण परिषद को अनुदान मद ने पुनर्विनियोग के माध्यम से युवा कल्याण परिषद के विभिन्न देयकों के भुगतान हेतु आहरित कर व्यय करने की लहर स्वीकृत प्रदान करते हैं।

2. उपरोक्त आवंटित धनराशि का उपयोग केवल उन्हीं मदों में किया जाएगा जिन मदों के लिए यह स्वीकृत की जा रही है। यह स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के आधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। व्यय में मितव्यता निराकार आवश्यक है।

3. किसी भी मद में व्यय से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका, बजट मैनुअल, भंडार क्रय नियम तथा मितव्यता सम्बंधी समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। उपराखणों का क्रय डी०जी०एस०एण्डडी० की दरों पर किया जायेगा और यह दरें न होने की स्थिति में टैण्डर/कोटेशन विशेषक नियमों का अनुपालन किया जायेगा।

4. उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2005-06 के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लैखाशीर्षक 2204-खेलकूद तथा युवा सेवाएं-00-आयोजनेतार-001-निदेशन तथा प्रशासन की सुसंगत प्राथमिक ईकाइयों के नामें डाला जायेगा तथा संलग्नक बी०एम०-१५ के स्तम्भ 4 की बचतों से बहन किया जायेगा।

३. उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या-६३३/XXVII (३)/२००६ दिनांक-१ जनवरी, २००६ में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

भवदीय

(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव

पृष्ठांकन संख्या- ०९ /VI-I/२००६ रादिनांकित

प्रतीतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

१. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड ओवराय बिल्डिंग, देहरादून।
२. निजी संघिय, मा० मुख्यमंत्री जी उत्तरांचल शासन।
३. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
४. श्री एल०एम० पन्त, अपर सचिव, वित्त विभाग।
५. वित्त व्याय नियन्त्रण अनुभाग-३ उत्तरांचल शासन।
६. एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर।
७. नजर राजकोषीय नियोजन वं संसद्वन नियोजनालय, सचिवालय देहरादून।
८. आयुक्त गढ़पाल मण्डल/कुमाऊँ मण्डल, पौड़ी/मैनीसाल।
९. गार्ड फार्मल।

आज्ञा से

(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव

नियंत्रक अधिकारी-निदेशक, युवा कल्याण, निदेशालय / प्रशासनिक विभाग-युवा कल्याण
संख्या-८४ / VI-I / 2006, देहरादून : दिनांक/ ३ जनवरी, २००६

पुनर्विनियोग २००५-२००६ विवरण पत्र । अनुदान संख्या-११
(आयोजनात्मक)

बंगट प्रविधान तथा लेखाशीर्षक का विवरण	मानक भवत्वार अद्यावधिक अवधि अनुग्रहीत वर्ष	वित्तीय वर्ष के शेष अवधि में अनुग्रहीत वर्ष	अपशेष धनराशि (सारलास)	लेखाशीर्षक जिसमें धनराशि रखनातरित किया जाना है।	(धनराशि हजार रुपये में)		
					1	2	3
2204-सेलफूट तथा युवा सेवाएं 001-निदेशन तथा प्रशासन 09-युवा दलों को आवेदक सहायता 20-सहायक अनुदान/अशदान / राजस्थान्यता - 300	-	-	300	2204-सेलफूट तथा युवा सेवाएं 001-निदेशन तथा प्रशासन 05-युवा कल्याण परिषद को अनुदान 20-सहायक अनुदान/अशदान / राजस्थान्यता - 300	2204-सेलफूट तथा युवा सेवाएं 001-निदेशन तथा प्रशासन 05-युवा कल्याण परिषद को अनुदान 20-सहायक अनुदान/अशदान / राजस्थान्यता - 300	2005-2006 09-आदेश दद को सहायता भव स्थीरता धनराशि ३.०० हजार रुपये में होने के कारण या परिषद को सहायता भव धनराशि नहीं दद युवा कल्याण परिषद अतिरेक धनराशि को आवश्यकता है।	पुनर्विनियोग के बाद स्थान-५ की कुल धनराशि पुनर्विनियोग के बाद स्थान-४ अपशेष धनराशि
योग - 300	-	-	300	योग - ३००	2000	-	वित्तीय २००५-२००६ दद

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग जो बंगट अनुदान के पारिवहन १५०, १५१, १५५, १५६ में चलिए खेत भाविधानों का उल्लंघन नहीं होता है।



उत्तरांचल शासन
वित्त अनुभाग-3
संख्या:-६३३/ अन्वयी(३)/ २००६
देहरादून: दिनांक: १० जनवरी, २००६

युनिनियोग स्वीकृत

(एल०८०८०८०)
अपर संघिय,
वित्त विभाग।

सेवा में,

महालेखाकार,
उत्तरांचल, ओवरराय बिल्डिंग,
सहारनपुर रोड, देहरादून।

संख्या:- (१) / VI-I / २००६ तददिनांक ।
प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित ।

- निदेशक, युवा कल्याण एवं प्रान्तीय राजक दल, उत्तरांचल देहरादून।
- वरिष्ठ कोयाधिकारी, देहरादून।
- वित्त (योग्य-नियंत्रण) अनुभाग-3।
- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(अमिताभ भ्रात्यारत्नद्वय)
अमर संचित।